B.A. PROGRAMME
(Three Year Full Time Programme)

Subject - Sanskrit : Language

Paper 1 – **Mastering Sanskrit Language and Literature-I**
संस्कृत-भाषानैपुण्य एवं साहित्य-I
(संस्कृत व्याकरण, अनुवाद, काव्यांश एवं गद्यांश)

Paper 2 – **Mastering Sanskrit Language and Drama-II**
संस्कृत-भाषानैपुण्य एवं नाटक-II
(संस्कृत व्याकरण, भाषा प्रयोग एवं नाट्यांश)

Paper 3 – **Mastering Sanskrit Language, Prosody and Rhetoric III**
संस्कृत-भाषानैपुण्य, छन्द एवं अलंकार-III
(संस्कृत व्याकरण, अपठित अवबोधन, निबन्ध एवं छन्द-अलंकार)

Paper 4 – **Sanskrit and Culture**
संस्कृत एवं संस्कृति
(वेद, उपनिषद्, इतिहास एवं पुराण-सन्दर्भ)

DEPARTMENT OF SANSKRIT
FACULTY OF ARTS
UNIVERSITY OF DELHI
DELHI-110007
2010

Paper 1 – Mastering Sanskrit Language and Literature-I
संस्कृत-भाषानैपुण्य एवं साहित्य-I
(संस्कृत व्याकरण, अनुवाद, काव्यांश एवं गद्यांश)

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' शब्दरूप, धातुरूप एवं संख्यावाची शब्द
भाग 'ख' लघुवाक्यरचना
भाग 'ग' काव्यांश – हितोपदेश एवं रघुवंश
भाग 'घ' गद्यांश – शुकनासोपदेश

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'
(व्याकरण)

अन्विति 1 **शब्दरूप** – राम, हरि, गुरु, पितृ, रमा, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, गृह, वारि, मधु, गो, भगवत्, जगत्, आत्मन्, पथिन्, वाच्, विद्वस्, सर्व, किम्, तद्, एतद्, यद्, इदम्, अस्मद् तथा युष्मद्

अन्विति 2 **धातुरूप** – (लट्, लङ्, लृट्, लोट् तथा विधिलिङ् लकारों में) – पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, दिव्, तन्, तुद्, सु, रुध्, क्री, चुर् व सेव्

अन्विति 3 **संख्यावाची शब्द** – एक से सौ तक की गणना

भाग 'ख'

(अनुवाद)

अन्विति 1 **लघुवाक्यरचना** – भाग 'क' में निर्धारित शब्दरूपों, धातुरूपों तथा संख्यावाची शब्दों के प्रयोगों पर आधारित।

भाग 'ग'
(काव्यांश)

अन्विति 1 **हितोपदेश** – प्रास्ताविक अध्याय 1–25 पद्य।

अन्विति 2 **रघुवंश** - प्रथम सर्ग 1-25 पद्य ।

भाग 'घ'

(गद्यांश)

अन्विति 1 **शुकनासोपदेश** (बाणभट्टकृत कादम्बरी के अन्तर्गत)
- प्रारम्भ से लक्ष्मीवर्णन के प्रसंग 'स्वल्पसत्त्वमुन्मत्तीकरोति' तक

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन (Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' : प्रथम अन्विति में निर्दिष्ट शब्दरूपों और सर्वनाम शब्दों में विभक्ति का प्रयोग एवं विभक्तियुक्त पदों में विभक्ति की पहचान।	3+3+2+2 = 10
	द्वितीय अन्विति में निर्दिष्ट धातुओं का भिन्न लकारों में प्रयोग तथा तिङन्त पदों में लकार, वचन आदि की पहचान ।	3+3+2+2=10
	तृतीय अन्विति में निर्दिष्ट संख्यावाची शब्दों में विभक्ति का प्रयोग एवं विभिन्न संख्याओं का संस्कृत में प्रयोग	3+2 = 5
(ii)	भाग 'ख' : भाग 'क' में निर्दिष्ट शब्दरूपों, धातुरूपों एवं संख्यावाची शब्दों पर आधारित लघुवाक्यरचना	4+4+2 = 10
(iii)	भाग 'ग' : प्रथम अन्विति में पठितांश पर आधारित अनुवाद, व्याख्या एवं लघु प्रश्न	3+5+4 = 12
	द्वितीय अन्विति में पठितांश पर आधारित अनुवाद, व्याख्या एवं लघु प्रश्न	3+3+4 = 10
(iv)	भाग 'घ' : पठितांश पर आधारित अनुवाद, व्याख्या एवं कवि की शैली विषयक प्रश्न	4+6+8 = 18
		कुल अङ्क = 75

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- *अनुवादकला अथवा वाग्व्यवहारादर्श* - चारुदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.

- *नवनीत संस्कृत-शब्द-धातु-रूपावलि* – राजाराम शास्त्री नाटेकर, नवनीत प्रकाशन, मुम्बई, 1990.
- *प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी* – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2009.
- *प्रारम्भिक संस्कृत-व्याकरण* – मधुसूदन मिश्र, शिप्रा पब्लिकेशन्स, दिल्ली.
- *रघुवंश महाकाव्य (प्रथम सर्ग)* – संस्कृत-हिन्दी-अनुवाद सहित, (सम्पा०) धारादत्त मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *शुकनासोपदेश* – प्रह्लाद कुमार, मेहरचन्द लक्ष्मणदास, दिल्ली, 1974.
- *हितोपदेश* – नारायणपण्डितकृत, हिन्दी अनुवादक – रामेश्वर भट्ट, (सम्पा०) नारायण राम आचार्य, निर्णय सागर, मुम्बई, 1949.

Paper 2 – Mastering Sanskrit Language and Drama-II
संस्कृत-भाषानैपुण्य एवं नाटक-II
(संस्कृत व्याकरण, भाषाप्रयोग एवं नाट्यांश)

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' कारक परिचय, प्रमुख प्रत्यय एवं प्रमुख अव्यय पद
भाग 'ख' लघुवाक्यरचना
भाग 'ग' प्रतिमानाटक, अभिज्ञानशाकुन्तल

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(व्याकरण)

अन्विति 1 **कारकपरिचय** – सातों विभक्तियां

अन्विति 2 **प्रमुख प्रत्यय** – क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, ल्युट्, तव्यत्, अनीयर्, तव्यत् तव्य

अन्विति 3 **प्रमुख अव्ययपद** – च, वा, अपि, इति, अत्र, यत्र, तत्र, यदा, कदा, एव, यथा, अद्य

भाग 'ख'

(भाषाप्रयोग)

अन्विति 1 **लघुवाक्यरचना** - भाग 'क' में निर्धारित व्याकरणात्मक प्रयोगों पर आधारित

भाग 'ग'

(नाट्यांश)

अन्विति 1 **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** - चतुर्थ अंक

अन्विति 2 **प्रतिमानाटकम्** - तृतीय अंक

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन (Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i) भाग 'क' : प्रथम अन्विति में कारकसम्बन्धी प्रश्न, विभक्तियों का कारण निर्देश करना तथा अशुद्ध विभक्ति-प्रयोगों को शुद्ध करना 4+3+3 = 10

द्वितीय अन्विति में निर्दिष्ट प्रत्ययों के प्रयोग से सम्बन्धित प्रश्न और प्रत्ययान्त शब्दों में प्रत्ययों की पहचान करना 6+4 = 10

तृतीय अन्विति में निर्दिष्ट अव्ययपदों का वाक्यों में प्रयोग करना 5

(ii) भाग 'ख' : भाग 'क' में निर्दिष्ट कारकों, प्रत्ययों और अव्यय पदों पर आधारित लघु वाक्यों की रचना 4+4+2 = 10

(iii) भाग 'ग' : प्रथम अन्विति के पठितांश पर आधारित दो पद्यों का अनुवाद, एक व्याख्या एवं एक नाटक/नाटककार सम्बन्धी आलोचनात्मक प्रश्न 10+6+7 = 23

द्वितीय अन्विति के पठितांश पर आधारित एक पद्य का अनुवाद, एक व्याख्या एवं एक नाटक/नाटककार सम्बन्धी आलोचनात्मक प्रश्न 5+6+6 = 17

कुल अङ्क = 75

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- *अभिज्ञानशाकुन्तलम्* (चतुर्थ अंक) - संस्कृत-हिन्दी अनुवाद - जगदीश लाल शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.

- *अभिज्ञानशाकुन्तलम्* – संस्कृत हिन्दी व्याख्या – कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजयकुमार, इलाहाबाद, 1985.
- *प्रतिमानाटकम्* (भास विरचित) – हिन्दी व्याख्या – धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *प्रतिमानाटकम्* (भास विरचित) – हिन्दी व्याख्या – जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2008.
- *प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी* – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2009.
- *प्रारम्भिक संस्कृत-व्याकरण* – मधुसूदन मिश्र, शिप्रा पब्लिकेशन्स, दिल्ली.
- *व्याकरण चन्द्रोदय* (खण्ड 1-5) – चारुदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *संस्कृत-व्याकरण-सौरभ* – नारायण दत्त एवं प्रकाश चन्द्र शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *संस्कृत-शिक्षण-सरणि* – श्रीराम शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली.

Paper 3 – Mastering Sanskrit Language, Prosody and Rhetoric III
संस्कृत-भाषानैपुण्य, छन्द एवं अलंकार-III
(संस्कृत व्याकरण, अपठित अवबोधन, निबन्ध एवं छन्द-अलंकार)

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' संधिपरिचय, समासपरिचय
भाग 'ख' अनुच्छेदों का अवबोधन
भाग 'ग' लघु संस्कृत निबन्ध
भाग 'घ' छन्द-अलंकार

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(व्याकरण)

अन्विति 1 **सन्धिपरिचय** – (मुख्य सन्धियों का उदाहरणसहित विवेचन)

अन्विति 2 **समासपरिचय** – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु, नञ्-समास, बहुव्रीहि तथा द्वन्द्व

भाग 'ख'

(अपठित अंश अवबोधन)

अन्विति 1 **अपठित अनुच्छेदों का अवबोधन** – अनुवाद एवं प्रश्नोत्तर

भाग 'ग'

(निबन्ध)

अन्विति 1 **लघु संस्कृतनिबन्ध** – संस्कृत भाषा, साहित्य और संस्कृति से सम्बन्धित

भाग 'घ'

(छन्द-अलंकार)

अन्विति 1 **छन्द** – अनुष्टुप्, उपजाति, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, स्रग्धरा एवं शार्दूलविक्रीडित

अलंकार – अनुप्रास, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, यमक, श्लेष एवं अर्थान्तरन्यास

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' : प्रथम अन्विति में संस्तुत पाठ्य पुस्तक के आधार पर तीनों सन्धियों (स्वर सन्धि, व्यञ्जन सन्धि एवं विसर्ग सन्धि) से सम्बन्धित प्रश्न एवं सन्धि-विच्छेद करना	6+4 = 10
	द्वितीय अन्विति में निर्दिष्ट समासों से सम्बन्धित प्रश्न एवं समास-विग्रह करना	6+4 = 10
(ii)	भाग 'ख' : (अ) 40-50 शब्द परिमित दो अपठित सरल संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में अनुवाद	6
	(ब) 40-50 शब्द परिमित किसी एक अपठित सरल संस्कृत गद्यांश में से प्रश्नोत्तर (छह में से पांच)	5
(iii)	भाग 'ग' : संस्कृत भाषा, साहित्य और संस्कृति से सम्बद्ध किन्हीं चार विषयों में से किसी एक पर सरल संस्कृत भाषा में निबन्ध	20

(iv) भाग 'घ' : प्रथम अन्विति में निर्दिष्ट किन्हीं दो छन्दों का लक्षण, उदाहरण तथा गणनिर्देशपूर्वक विवेचन एवं पूछे गए उदाहरणों में से दो छन्दों की गणनिर्देशपूर्वक पहचान 8+4 = 12

द्वितीय अन्विति में निर्दिष्ट किन्हीं दो अलंकारों का लक्षण, उदाहरण एवं स्पष्टीकरण सहित विवेचन एवं पूछे गए उदाहरणों में से दो अलंकारों की लक्षणपूर्वक पहचान 8+4 = 12

कुल अङ्क = 75

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- *अनुवाद कला अथवा वाग्व्यवहारादर्श* – चारुदेव शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली.
- *छन्दोऽलङ्कारविमर्श* – कपिलदेव पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *छन्दोऽलङ्कारमंजरी* – कान्ता गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली.
- *प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी* – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2009.
- *संस्कृतनिबन्धावली* – हरिनारायण दीक्षित, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली.
- *संस्कृतनिबन्धसुरभि* – परमजीत कौर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली.
- *संस्कृतनिबन्धरत्नाकर* – शिवप्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन, दिल्ली.
- *संस्कृत-व्याकरण-सौरभ* – नारायणदत्त एवं प्रकाशचन्द्र शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *संस्कृत-शिक्षण-सरणि* – श्रीराम शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली.

Paper 4 – Sanskrit and Culture
संस्कृत एवं संस्कृति
(वेद, उपनिषद्, इतिहास एवं पुराण-सन्दर्भ)

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' ऋग्वेद एवं यजुर्वेद
भाग 'ख' ईशावास्योपनिषद् एवं तैत्तिरीयोपनिषद्
भाग 'ग' वाल्मीकि रामायण एवं महाभारत
भाग 'घ' विष्णुपुराण एवं अग्निपुराण

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'
(वेद-सन्दर्भ)

अन्विति 1 **ऋग्वेद** - गायत्री मन्त्र (तत्सवितुर्वरेण्यं०) 3.62.10, शान्तिपाठ (स्वस्ति न इन्द्रो) 1.89.6, संज्ञानम् 10.191.1-4

अन्विति 2 **यजुर्वेद** - शिवसंकल्प सूक्त - 34.1-6

भाग 'ख'
(उपनिषद्-सन्दर्भ)

अन्विति 1 **ईशावास्योपनिषद्** - 1-7 मन्त्र

अन्विति 2 **तैत्तिरीयोपनिषद्** - शिक्षावल्ली - एकादशोऽनुवाक

भाग 'ग'
(इतिहास-सन्दर्भ)

अन्विति 1 **वाल्मीकि रामायण** (रामकथा का उपक्रम) - बालकाण्ड, द्वितीय सर्ग 1-43 पद्य

अन्विति 2 **महाभारत** (विदुरनीति) - उद्योगपर्व - अध्याय-38, 1-47 पद्य

भाग 'घ'
(पुराण-सन्दर्भ)

अन्विति 1 **विष्णुपुराण** (भारतवर्ष वर्णन) 2.3.1-28 पद्य

अन्विति 2 **अग्निपुराण** (वृक्षायुर्वेद एवं जलाशयनिर्माण) - अध्याय 282, 1-14 पद्य

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' : प्रथम अन्विति के पठितांश से दो मन्त्रों में से एक मन्त्र की व्याख्या	5
	निर्धारित वेदमन्त्रों के सन्दर्भ में गायत्री मन्त्र, शान्तिपाठ अथवा संज्ञानम् सूक्त में से किसी एक पर लघु प्रश्न	5
	द्वितीय अन्विति के पठितांश में से दो मन्त्रों में से एक मन्त्र की व्याख्या	5
(ii)	भाग 'ख' : प्रथम अन्विति के पठितांश से दो मन्त्रों में से एक मन्त्र की व्याख्या	5
	ईशावास्योपनिषद् के निर्धारित मन्त्रों के सन्दर्भ में दो में से एक लघु प्रश्न	5
	द्वितीय अन्विति के पठितांश से दो उपनिषद् अंशों में से एक की व्याख्या	5
(iii)	भाग 'ग' : प्रथम अन्विति के पठितांश से दो पद्यों में से एक पद्य की व्याख्या	6
	रामकथा के उपक्रम से सम्बन्धित अथवा आदिकाव्य से सम्बद्ध एक लघु प्रश्न	5
	द्वितीय अन्विति के पठितांश से दो पद्यों में से एक की व्याख्या	6
	विदुरनीति के पठितांश पर आधारित दो में से एक लघु प्रश्न	5
(iv)	भाग 'घ' : प्रथम अन्विति के पठितांश से दो पद्यों में से एक की व्याख्या	6
	विष्णुपुराण के भौगोलिक वर्णन अथवा भारतवर्णन के सन्दर्भ में दो में से एक लघु प्रश्न	5
	द्वितीय अन्विति के पठितांश से दो पद्यों में एक की व्याख्या	6
	अग्निपुराण में वर्णित वृक्षसंरक्षण अथवा जलसंरक्षण से सम्बद्ध एक लघु प्रश्न	6

कुल अङ्क = 75

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- *अग्निपुराण* – हिन्दी अनुवाद सहित, (अनु०) तारणीश झा एवं घनश्याम त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1998.
- *ईशावास्योपनिषद्* – शांकरभाष्य सहित, गीता प्रेस, गोरखपुर.

- *ऋग्वेद संहिता* – सायणभाष्य सहित, वैदिक संशोधन मण्डल, पूना, 1974.
- *ऋग्वेद संहिता* (1–4 भाग) – हिन्दी अनुवाद सहित, (सम्पा०) श्रीराम शर्मा आचार्य एवं भगवती देवी शर्मा, शांतिकुंज, हरिद्वार.
- *तैत्तिरीयोपनिषद्* – शांकरभाष्य सहित, आनन्दाश्रम, पूना.
- *महाभारत* (1–6 भाग) – हिन्दी अनुवाद सहित, (अनु०) रामनारायणदत्त शास्त्री पाण्डेय, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- *यजुर्वेद संहिता* – हिन्दी अनुवाद सहित, (सम्पा०) श्रीराम शर्मा आचार्य एवं भगवती देवी शर्मा, शांतिकुंज, हरिद्वार.
- *वाल्मीकि रामायण* (1–2 भाग) – हिन्दी अनुवाद सहित, (सम्पा०) जानकीनाथ शर्मा, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- *विष्णुपुराण* – हिन्दी अनुवाद सहित, (अनु०) मुनिलाल गुप्त, गीता प्रेस, गोरखपुर.